1 व्यवस्थाविवरण Deut 33:12; लूका Luke 15:4-7 **(106h-in song book)**

यहोवा काऽ वह प्रियतम, उसके कान्धे पर रहता है,
मसिह यीशुऽ का प्रियतम, उसकी भक्ति मे रहता है
1 अनंत प्रेम से उसने मुझे खोजा, भेड़ की नाई, पापों में था जब खोया
अपने लोहू से मुझे खरीद लिया, अपनी भेड़शाला में मुझे लाया
2 पापी जो पऽश्चाताप करता है, प्रभु कन्धेऽ पर उसे रखता है
''आनन्द करो मेरे साथ'' कहता है, क्योंकि मेरी खोई भेड़ मिल गई है।
3 वह दिन भर उस पर छाया करेगा, अपने पंखोंऽ की आड़ में रखेगा
अपनी धार्मिऽकता में छिपावेगा, छिदे पंजर में सुरक्षित रखेगा

2 प्रकाशितवाक्य Revelation 1:17,18 **(105h-in song book)**

जऽब मै ने यीशु को देखा तब, मुर्दा सा गिर पड़ा उसके पैरों पर
अपना दहिना हाथ मुझ पर रखकर, उस ने यह कहा कि, मत डर, जब मै ने यीशु को देखा तब
1 मैं प्रथम अन्तिम, और जीवता हूं, मैं ही अल्फा और ओमेगा हूं। 2
2 मैं मर गया था और अब देख, जीवता हूं मैं युगानुयुग। 2
3 और मृत्यु और अधोलोक की, हैं कुंजियां मेरे पास ही 2

3 विलापगीत Lamentations 3:22-29 **(96h, Eng9-in song book)**

यहोवा की प्रेमऽदया! इस कारण हमऽ, नष्ट नहीं हुए,
उस की महाकऽरुऽणा के कारण, हम मिट नहींऽ गए, यहोवा की प्रेऽमदया! इस कारण हमऽ ऽ
1 उसकी करुऽणा थकती नही, हर सुबह को नई होती है,
2 तेरी सच्चाऽई मेरे प्रभुऽ, अत्यंत महान् और ऊंची है!
3 खिष्ट यीशु मेऽरा वतन भाग है, मेरा प्राण कऽहऽते रहता है
4 जो यहोवाऽ की बाट जोहते है, यहोवा उनऽके लिये भला है
5 उसके उध्दाऽर की, आशा रखकर, चुपचाप बाट जोऽहऽना भला है
6 जवानी मेंऽ जूऽआ उठाना, पुरुष के लिऽये यह भला है
7 शान्त रहेऽ वह यह जानकर कि, परमेश्वर हीऽ ने उसपर रखा है
8 वह अपना मुंऽह धूऽली में रखे, क्या जाने इऽस में कुछ आशा हो

4 श्रेष्ठगीत Song of Solomon 1:5, 6:10, 8:5,1:4 **(17h-in song book)**

केदार के तम्बुओं तुल्य काली, पर सुलैमान के पर्दों के तुल्य सुन्दर
ऐसी कलीसिया, खिष्ट की कलीसिया, सन्तों की कलीसिया हैं
ऐसी कलीसिया, खिष्ट की कलीसिया, भक्तों की कलीसिया हैं
1 चन्द्रमा जैसी उसकी सुन्दरता, और सूर्य के समान उसकी निर्मलता 2 ऐसी कलीसिया,
2 कौन है जिसकी भोर के तुल्य शोभा, भयंकर, झंडे फहराती सेना 2 ऐसी कलीसिया,
3 प्रभु खिष्ट प्रेमी पर टेक लगाये, संसार के जंगल से चली आती 2 ऐसी कलीसिया,
4 हरदम कहती ''प्रभु मुझे खींच ले, और हम तेरे पीछे दौडेंगे'' 2 ऐसी कलीसिया,

5 यहेज्केल Ezekiel 36:26-27,31 **(22h-in song book)**

मैं नया मन, तुम को दे दूँगा, भीतर तुम्हारे नई, आत्मा रखूँगा 2 मै नया मन.
1 पत्थर का सा ह्रदय तुम्हारे, देह से निकालूँगा 2 मांस का सा ह्रदय, नम्रता का ह्रदय 2
मै तुम को दूँगा
2 अपना आत्मा भीतर देकर, शक्ति तुम्हें दूँगा (2) पालन करोगे, नियमों को मेरे (2),
उन मे चलाउँगा
3 याद करोगे अपने घिन्नौने, और अधर्म के काम 2 स्वयंमसे नफरत, करते रहोगे2,
नयी वाचाका दान

6 अय्यूब Job 42:5-6 **(26h-in song book)**

आंखसे प्रभु मैं तुझे देखता 2 तुच्छ पापी हूं मैं यह स्विकारता 2 आंखसे प्रभु मैं तुझे देखता 2
1 अपने आपको घृणित समझकर, धूलि और राख इनमें बैठकर, पश्चात्ताप करता SS 2
2 यीशु रहित धार्मिकता मेरी, केवल निर्बल शक्ति मेरी 2 बुध्दिहिन मैं मानता SS 2

7 भजन संहिता Psalms 127:1,2 **(43h-in song book)**

यहोवा घर को न बनाए, बनानेवाले व्यर्थ श्रम करते,
यहोवा नगर न रक्षा करे, रखवाले व्यर्थ जागते रहते

1 तुम जो अति भोर को ही उठते, और देर करके विश्राम करते 2
और दुःख भरी रोटी खाते, यह सब व्यर्थ ही है 2

2 देखो वह अपने प्रिय जनों को, योंही नींद प्रदान करता 2
जो भली है उन चिजों को नींद में ही देता 2

8 यशायाह Isaiah 66:1,2, प्रेरितों काम Acts 7:48-50 **(66h-in song book)**

परम प्रधान, हाथ के बनाए, घरों में नहीं रहता हैं 2 परम प्रधान,

1 आकाश मेरा सिंहासन हैं, पृथ्वी चरणों की चौकी हैं 2
यहोवा यों कहता है, यहोवा यों कहता हैं।

2 मेरे लिये कैसा भवन बनाओगे, विश्राम का कौन सा स्थान होगा? 2
ये सब मैं ने बनाया हैं, और ये सब वस्तुएं मेरी ही हैं। 2

3 उसी की ओर दृष्टि करूंगा, जो दीन और खेदित मन का 2
वचन सुनकर कम्पित होता, वचन सुनकर थरथराता। 2

4 हे हठीले, कृपारहित लोगो, मन के खतनारहित लोगो 2
आत्मा का साम्हना करते हो, सदा आत्मा का साम्हना करते हो। 2

9 भजन Psa 84:4-6,7; रोमियों Rom 12:1 **(37h-in song book)**

तेरे भवन में जो रहते हैं, तेरे वचन में जो रहते हैं
क्या ही धन्य हैं वे यीशु राजा, क्या ही धन्य हैं वे 2

1 स्तुति निरऽन्तर, तेरी करते हैं, 2 जीवित यहोवा तेरी, भक्ति करते हैं,2
क्या ही धन्य हैं वे, स्वामी राजा, क्या ही धन्य हैं वे 2

2 वह मनुष्य जो तुझ से, शक्ति पाता है,2 सिय्योन की सड़क की जिनको, सुधि रहती है 2
क्या ही धन्य हैं वे, स्वामी राजा, क्या ही धन्य हैं वे 2

3 बल पर बल वे, पाते जाते हैं,2 सिय्योन में हर एक जन, हाजिर रहते है,2
तेरे सन्मुख रहते हैं, यीशु राजा, तेरे सन्मुख रहते हैं 2

10 भजन संहिता Psalm 92:10,1,2,12-14,7 **(44h-in song book)**

जैसे जंगली बैल का सींग, वैसे मेरा भी सींग,2 प्रभु ऊंचा तू ने किया है 2
ताजे तेलऽ से मुझे, टटके तेलऽ से मुझे,2 अभिषेऽक किया गया हैं 2

1 यहोवा की उपकारस्तुती करना, तेरे नाम का भजन गीत गाना;
हे परमप्रधान, क्याऽ ही भला है, हे परमप्रधान, क्याऽ ही भला है,

2 हर प्रातःकाऽल को तेरी करूणा, प्रति रात सऽच्चाई का प्रचार करना,
गम्भीर स्वर से स्तुती गाना भला है। गम्भीर स्वर से स्तुती गाना भला है।

3 धर्मी लोग फऽलेंगे खजूर की नाई और लबानोन के देवदार की नाई
बढ़ते रहेंगे, प्रफुल्लित होंगे,बढ़ते रहेंगे,प्रफुल्लित होंगे

4 यहोवा के भवन में रोपे जाकर, उसके आंगनों में फूले फलेंगे।
बुजूर्ग होनेऽ पर भी फलते रहेंगे, रस भरे और लहलहाते रहेंगे,

5 दुष्ट घास की नाईं फूलते–फलते हैं, अनर्थकारी प्रफुल्लित होते हैं,
यह सब इसलिये उनको होता है, कि सर्वदा के लिये नाश हो जाएं,

Brother Prem Waghmare,
1012 High School Road, Purani Basti, WadDhamna, Nagpur 440023
Maharashtra, INDIA (phone: 09421804920)

U.S. Address: P.O. Box 9424, Kansas City, Missouri 64133-0224 (U.S.A.)
Email:premw1@yahoo.com